नईदुनिया

फिलीपींस पहुंचे जेलेंस्की, बोले-चीन जैसा देश पुतिन के हाथों का उपकरण, यह दुर्भाग्यपूर्ण

मनीला।

यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की विशेष एशियाई दौरे पर अचानक फिलीपींस पहुंचे। वह क्षेत्रीय नेताओं से अपने देश में युद्ध की स्थिति पर स्विट्जरलैंड द्वारा आयोजित एक वैश्विक शांति सम्मेलन में शामिल होने की अपील करने के लिए यह यात्रा कर रहे हैं। वह बोले, अफसोस की बात है और यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि चीन जैसा बड़ा स्वतंत्र शक्तिशाली देश रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के हाथों का एक उपकरण बन गया है। सिंगापुर में 'शांगरी-ला डिफेंस फोरम' में भाग लेने के बाद, जेलेंस्की कड़ी सुरक्षा के बीच अघोषित दौरे पर मनीला पहुंचे। उन्होंने सिंगापुर में आयोजित वार्षिक रक्षा सम्मेलन से इतर फिलीपींस के राष्ट्रपति फर्डिनेंड मार्कोस जूनियर से मिलने की योजना बनाई थी लेकिन नहीं मिल पाए और बाद में उन्होंने निजी रूप से यहां आने का फैसला किया। यह दोनों ही नेताओं ने सिंगापुर में हुए सम्मेलन में चीन की आलोचना की। मनीला में जेलेंस्की ने विस्तार से बताए बिना कहा, रूस क्षेत्र में चीनी प्रभाव का इस्तेमाल कर, चीनी राजनयिकों का उपयोग करते हुए शांति शिखर सम्मेलन को बाधित करने के लिए सब कुछ करता है। इस दौरान उन्होंने रूस पर चीन की मदद से इस सम्मेलन में अड़चन डालने का प्रयास करने का आरोप भी लगाया। चीनी विदेश मंत्रालय ने जेलेंस्की के दावे पर टिप्पणी के आग्रह का जवाब नहीं दिया। पश्चिमी प्रतिबंधों का आर्थिक असर घटा चीन द्वारा यूक्रेन युद्ध पर तटस्थ रुख अपनाने से उसका यूक्रेन, अमेरिका व अधिकांश यूरोप के साथ मतभेद हो गया है। इसके विपरीत चीन-रूस में व्यापार बढ़ गया है। इससे पश्चिमी प्रतिबंधों का आर्थिक प्रभाव कम हो गया है। अमेरिकी, यूक्रेनी और अन्य खुफिया एजेंसियों के मुताबिक, इस बात के सबूत हैं कि चीनी हिस्से रूसी हथियारों में तब्दील हो रहे हैं, भले ही चीन सीधे तौर पर अपने पड़ोसी को हथियार नहीं दे रहा हो। फिलीपींस के समर्थन में अमेरिका निभा रहा गलत भूमिका: चीन चीन ने कहा है कि अमेरिका ने चीन व क्षेत्रीय संबंधों को भड़काने के लिए दक्षिण चीन सागर का इस्तेमाल किया है। इसके तहत उसने फिलीपींस के समर्थन व सहयोग में बेहद अपमानजनक भूमिका निभाई है।

न्यूज ब्रीफ

इस्राइली पीएम नेतन्याहू 13 जून को अमेरिकी कांग्रेस को संबोधित करेंगे बाइडन के इटली में रहने की उम्मीद

वाशिंगटन । इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू 13 जून को अमेरिकी कांग्रेस को संबोधित करेंगे। यह यात्रा डेमोक्रेटिक सीनेट बहुमत नेता चक शूमर द्वारा मार्च में इजराइल से नए चुनाव कराने का आह्वान करने के बाद हो रही है, जो कि गाजा में युद्ध से निपटने के देश के तरीके की एक वरिष्ठ अमेरिकी अधिकारी द्वारा की गई कड़ी आलोचना का एक दुर्लभ उदाहरण है। वहीं, नेतन्याहू के प्रवास के दौरान अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन के जी-7 शिखर सम्मेलन के लिए इटली में रहने की उम्मीद है। हालांकि, राष्ट्रपति की एक सप्ताह की समय-सारिणी की अभी तक आधिकारिक घोषणा नहीं की गई है। राष्ट्रपति बाइडन ने एक इस्राइली तीन चरणीय योजना प्रस्तुत की, जो इस्राइल-हमास संघर्ष को समाप्त करेगी। सभी बंधकों को मुक्त करेगी और हमास के सत्ता में आए बिना तबाह हो चुके फलस्तीन क्षेत्र का पुनर्निर्माण करेगी। वहीं, नेतन्याहू के कार्यालय ने इस बात पर जोर दिया कि सात अक्टूबर के हमले से शुरू हुआ युद्ध तब तक जारी रहेगा, जब तक कि इजराइल के सभी लक्ष्य पूरे नहीं जाते, जिसमें हमास की सैन्य और शासन क्षमताओं का विनाश भी शामिल है। बता दें कि सदन और सीने में चार पार्टी नेताओं ने पिछले सप्ताह नेतन्याहू से कांग्रेस की संयुक्त बैठक में बोलने के लिए पत्र लिखा था, जिसमें उन्होंने आतंकवाद के खिलाफ संघर्ष में, विशेषकर जब हमास ने अमेरिकी और इस्राइली नागरिकों को बंधक बनाना जारी रखा है, इजराइल के साथ एकजुटता व्यक्त की थी।

पीएम सुनक ने आव्रजन कटौती का वादा किया, कार्य-पारिवारिक वीजा पर नई वार्षिक सीमा लगाने की योजना

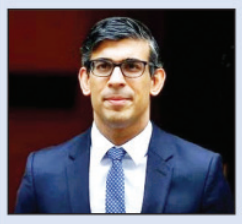

लंदन । ब्रिटेन के प्रधानमंत्री ऋषि सुनक ने आव्रजन में कटौती के लिए कार्य और पारिवारिक वीजा पर नई वार्षिक सीमा लगाने की योजना की घोषणा की। सत्तारूढ़ कंजर्वेटिव पार्टी द्वारा प्रस्तुत योजना के अनुसार, प्रत्येक वर्ष संसद द्वारा निर्धारित वीजा की संख्या पर एक नई सीमा शामिल होगी। वहीं, विपक्ष ने आव्रजन प्रमुख चुनावी मुद्दे पर अपनी योजना पेश की थी। बता दें कि ब्रिटेन के आम चुनाव में आव्रजन एक प्रमुख चुनावी मुद्दा है। पिछले साल 685000 प्रवासियों ने देश में प्रवेश किया, जिसके बारे में दोनों मुख्य राजनीतिक दल कंजर्वेटिव पार्टी और कीर स्टारर ने कहा है कि यह आंकड़ा बहुत अधिक है। वहीं, सप्ताह के अंत में, स्टार्मर ने नियमित प्रवासन में कटौती के लिए लेबर की योजना की घोषणा की, जिसके तहत श्रम कानूनों का उल्लंघन करने वाले मालिकों को देश में विदेशी श्रमिकों को लाने पर प्रतिबंध लगाया जाएगा। नियोक्ताओं को पहले ब्रिटिश लोगों को प्रशिक्षित करने को प्राथमिकता देने की आवश्यकता होगी। विदेशी छात्रों और मौसमी श्रमिक को प्रभावित नहीं करेगी योजना सुनक ने एक बयान में कहा, हमने इस देश में आने वाले लोगों की संख्या में कटौती करने के लिए साहसिक कदम उठाए हैं।

उ. कोरिया के साथ शांति समझौता निलंबित करेगा दक्षिण कोरिया, कचरे से भरे गुब्बारे उड़ाने पर बड़ी कार्रवाई

सियोल । दक्षिण कोरिया ने कचरे से भरे गुब्बारे उड़ाने को लेकर उत्तर कोरिया के साथ हुए शांति समझौते को निलंबित करने की घोषणा की। हालांकि उत्तर कोरिया गुब्बारे उड़ाने की अपनी हरकत पर लगाम लगाने को कह चुका है। द. कोरिया में हाल ही में लोगों द्वारा पर्चे बांटने के अभियान से नाराज उत्तर कोरिया ने बीते कुछ दिनों में पड़ोसी देश की ओर कचरे से भरे गुब्बारे उड़ाए थे। द. कोरिया ने कहा कि उत्तर कोरिया की इस हरकत के जवाब में वह कड़ा कदम उठाएगा। उत्तर कोरिया हालांकि पहले ही सीमा पार गुब्बारे उड़ाए जाने को रोकने की घोषणा कर चुका है। सोमवार को, दक्षिण कोरिया के राष्ट्रपति की राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद ने कहा कि परिषद ने 2018 के अंतर-कोरियाई समझौते को निलंबित करने का फैसला किया है। इस समझौते का उद्देश्य दोनों कोरियाई देशों के बीच आपसी विश्वास बहाली तक सीमावर्ती शत्रुता घटाना था। सुरक्षा परिषद ने कहा, समझौते के निलंबन पर एक प्रस्ताव कैबिनेट परिषद में मंजूरी के लिए पेश किया जाएगा। उत्तर कोरिया ने पिछले मंगलवार से अब तक दक्षिण कोरिया के विभिन्न हिस्सों में करीब एक हजार से ज्यादा गुब्बारे उड़ाए हैं, जिनमें खाद से लेकर सिगरेट के टुकड़े, कपड़े के टुकड़े और बेकार कागज भरे हुए थे।

फलस्तीन ने आईसीजे में दायर किया आवेदन, इजराइल के खिलाफ दक्षिण अफ्रीका के मुकदमे में शामिल होने का अनुरोध

हेग।

इजराइल और हमास के बीच बीते कई महीनों से भीषण जंग जारी है। इस बीच, फलस्तीनी अधिकारियों ने गाजा में इजराइल पर नरसंहार का आरोप लगाने वाले दक्षिण अफ्रीका के मुकदमे में शामिल होने की अनुमति के लिए संयुक्त राष्ट्र की शीर्ष अदालत में आवेदन किया है।

अधिकारियों ने आरोप लगाया कि इजराइल का सैन्य अभियान फलस्तीनी समाज और उसकी संस्कृति व सामाजिक संस्थानों को नक्शे से मिटाने का व्यवस्थित हिस्सा है। अंतरराष्ट्रीय न्यायालय में फलस्तीन राज्य की ओर से अनुरोध किया गया है और इसे फलस्तीनी प्राधिकरण ने विदेश मंत्रालय के अधिकारी अम्मार हिजाजी द्वारा हस्ताक्षरित किया गया है। दक्षिण अफ्रीका ने पिछले साल के अंत में आईसीजे में मामला दायर किया था और इजराइल पर सैन्य अभियान के जरिए गाजा में नरसंहार करने का आरोप लगाया गया था। इजराइल ने इस आरोप को खारिज करते हुए कहा था कि वह सात अक्तूबर के हमास के हमलों के बाद शुरू हुए युद्ध में अपने सैन्य अभियान में नरसंहार कर रहा है। इजराइल गाजा के दक्षिणी शहर राफा में अपने हमलों का विस्तार कर रहा है। राफा युद्ध के बीच कभी मानवीय मदद के अभियानों का मुख्य केंद्र था। इस्राइली बलों के हमलों ने भूख का सामना कर रहे फलस्तीनियों के लिए भोजन, दवा और अन्य आपूर्ति के प्रवाह को रोका है। गाजा के स्वास्थ्य मंत्रालय के मुताबिक, गाजा पट्टी में इजराइल की बमबारी और जमीनी हमलों में अब तक 36 हजार से ज्यादा फलस्तीनियों की मौत हो चुकी है। सात अक्तूबर के हमलों में करीब 1400 इस्राइली नागरिकों की जान चली गई थी। जबकि सैकड़ों लोगों को हमास ने बंधक बना लिया था। आईसीजे ने अपने आदेशों में इजराइल से क्षेत्र में मौतों को रोकने, मानवीय मदद को बढ़ाने और राफा में अपने आक्रामक अभियान को रोकने के लिए हरसंभव प्रयास करने का आह्वान किया है।

हमास पर इजराइल के संघर्ष विराम प्रस्ताव को स्वीकार करने का बढ़ेगा दबाव जो बाइडन ने कतर से की बात

वॉशिंगटन । हमास और इजराइल बीते छह महीने से जंग लड़ रहे हैं। इजराइल द्वारा हमास को खत्म करने का संकल्प गाजा पट्टी के लोगों पर भारी पड़ रहा है। गाजा में पैदा हुई मानवीय परिस्थितियों को लेकर दुनिया भर के लोगों का आक्रोश बढ़ता जा रहा है। अमेरिका में लोग बड़ी संख्या में इजराइल के खिलाफ विरोध-प्रदर्शन कर रहे हैं। इससे राष्ट्रपति जो बाइडन की मुश्किलें बढ़ गई हैं। वो लगातार गाजा में जंग रुकवाने का प्रयास कर रहे हैं। उन्होंने तीन दिन पहले ही गाजा में युद्धविराम और बंधकों की रिहाई के लिए इजराइल के प्रस्ताव का एलान किया था। वहीं, अब राष्ट्रपति ने एक बार फिर इस समझौते को लेकर कतर के अमीर से बात की। इस दौरान उन्होंने हमास पर संघर्ष विराम प्रस्ताव को स्वीकार करने के लिए दबाव डालने का आग्रह किया। एक ठोस रोडमैप अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन ने कतर के अमीर तमीम बिन हमद अल थानी के साथ बातचीत कर चर्चा की कि कैसे युद्धविराम और बंधक समझौता गाजा में संकट को समाप्त करने के लिए एक ठोस रोडमैप बनाया जा सकता है। राष्ट्रपति बाइडन ने गाजा में बंधक बनाए गए सभी बंधकों की सुरक्षित रिहाई के लिए किए गए प्रयासों के लिए उन्हें और उनकी टीम को धन्यवाद दिया। कतर के अमीर से बात उन्होंने एक्स पर कहा, मैंने आज अमीर शेख तमीम बिन हमद अल थानी के साथ बातचीत की। इस दौरान यह चर्चा की गई कैसे युद्ध विराम और बंधक समझौते के लिए एक योजना बनाई जा सकती है। मैंने आमिर तमीम से हमास की समझौते की स्वीकृति सुनिश्चित करने के लिए सभी उचित उपायों का इस्तेमाल करने का आग्रह किया और गाजा में पकड़े गए सभी बंधकों की रिहाई को सुरक्षित करने के उनके अथक प्रयासों के लिए उन्हें और उनकी टीम को धन्यवाद दिया। पोस्ट में कहा गया है, अमेरिका, मिस्र और कतर के साथ मिलकर इस समझौते को सुनिश्चित करने के लिए काम करेगा। रिपोर्ट के अनुसार, इससे पहले शुक्रवार को राष्ट्रपति जो बाइडन ने घोषणा की कि इजराइल ने एक नया प्रस्ताव रखा है, जो गाजा में हमास के साथ चल रहे युद्ध में संघर्ष विराम का रोडमैप प्रदान करता है और आतंकवादी समूह द्वारा बंधक बनाए गए सभी बंधकों की रिहाई सुनिश्चित करता है।

रूसी महिलाओं का रक्षा मंत्रालय के बाहर प्रदर्शन, मोर्चे पर तैनात पति-बेटों की वापसी की मांग

लंदन ।

रूसी महिलाओं के एक समूह ने मास्को में रक्षा मंत्रालय के बाहर विरोध प्रदर्शन किया। इस दौरान महिलाओं ने रक्षा मंत्री से यूक्रेन के मोर्चे पर तैनात सैनिकों की वापसी की मांग की। रूसी महिलाएं महीनों से अपने पति, बेटों और भाइयों की वापसी के लिए अधिकारियों पर दबाव डालने के लिए प्रदर्शन कर रही हैं। सितंबर 2022 में राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के आदेश के बाद रूसी महिलाओं को लामबंद कर दिया गया था। विरोध प्रदर्शन में शामिल महिला पॉलिना ने बताया कि वह 20 वर्ष की है। उसका पति यूक्रेन में लड़ रहा है। महिलाएं चाहती हैं कि रक्षा मंत्री इस बात पर सख्त सीमाएं लागू करें कि सैनिक कितने समय तक सेवा कर सकते हैं। उसके बाद ही उन्हें सक्रिय ड्यूटी से बाहर होना पड़ेगा। इसलिए 18 महिलाओं का एक समूह रक्षा मंत्री आंद्रेई बेलौसोव से व्यक्तिगत रूप से अपील करने के लिए एकत्र हुआ था। पुशचेयर पर छोटे बच्चों को लेकर पहुंची महिलाएं पॉलिना ने टेलीग्राम एप पर जो तस्वीरें और वीडियो पोस्ट किए हैं, उनमें महिलाएं कृपया पापा को घर ले आएं जैसे नारे लिखे पोस्टर पकड़े हुए हैं। कई महिलाएं अपने स्कूली बच्चों और छोटे बच्चों को पुशचेयर पर लेकर आई थीं। उन्होंने बताया कि महिलाओं से बात करने के लिए मंत्रालय का कोई भी अधिकारी भवन से बाहर नहीं आया, जिसके बाद रूसी महिलाएं आक्रोशित हो उठीं और उन्होंने विरोध प्रदर्शन शुरू कर दिया।

पुतिन ने 2022 में तीन लाख आरक्षित सैनिक संगठित किए

बता दें कि रूस-यूक्रेन युद्ध तीसरे साल में प्रवेश कर चुका है। अभी इसका कोई अंत नजर नहीं आ रहा है। रूस के राष्ट्रपति पुतिन ने सितंबर 2022 में तीन लाख आरक्षित सैनिकों को संगठित किया था। उन्होंने कहा कि लाखों लोगों ने स्वेच्छा से अनुबंध सैनिकों के रूप में नामांकन कराया है। पुतिल ने कसम खाई है कि रूसी सैनिक तब तक नहीं रुकेंगे, जब तक विशेष सैन्य अभियान के लक्ष्य को पूरा नहीं कर लेते।

नेपाल में जमकर बरसेंगे बदरा, 18 लाख लोग होंगे प्रभावित, जानें कब होगी मानसून की एंट्री

काठमांडू ।

नेपाल में भीषण गर्मी पड़ रही है। लोगों का लू से बुरा हाल है। इस बीच भारतीय मौसम विज्ञान विभाग ने राहत भरी खबर दी है। यहां 13 जून को मानसून के पहुंचने की उम्मीद है, जो एक जुलाई तक चलेगा। यहां की सरकार ने चेतावनी दी है कि मौसम के दौरान बारिश से संबंधित घटनाओं से 18 लाख लोग प्रभावित हो सकते हैं।

18 लाख लोग प्रभावित

गृह मंत्रालय ने आगामी मानसून के मौसम से निपटने के लिए राष्ट्रीय जोखिम न्यूनीकरण और तैयारी कार्यक्रम 2024 शुरू किया। मंत्रालय ने अनुमान लगाया है कि हिमालयी राष्ट्र में मानसूनी बारिश से आई बाढ़ और भूस्खलन से 412,000 घरों के 18 लाख लोग प्रभावित होंगे।

10,000 से अधिक सैन्यकर्मी तैनात

राष्ट्रीय आपदा जोखिम न्यूनीकरण और प्रबंधन प्राधिकरण के प्रवक्ता दीजन भट्टाराई के अनुसार, इस साल प्राकृतिक आपदा के कारण लगभग 83,000 परिवार प्रभावित होंगे। 18,000 परिवारों को राहत सामग्री की आवश्यकता होगी। मंत्रालय ने आगामी आपदा से लड़ने के लिए 10,000 से अधिक सैन्यकर्मियों सहित 31,000 सुरक्षा कर्मियों को लगाने का फैसला किया है। नेपाल सेना बचाव और राहत कार्यों के लिए काठमांडू, पोखरा, इटाहरी, भरतपुर और सुरखेत में हेलीकॉप्टरों को भी तैनात करेगी।

63 लोग मारे गए थे

बता दें, पिछले साल देशभर में आपदा से संबंधित 679 घटनाओं में 63 लोग मारे गए थे। कम से कम 69 लोग घायल हो गए, और प्राकृतिक आपदा से संबंधित घटनाओं के कारण 30 लोग लापता हो गए। सरकार ने आपदा संभावित क्षेत्रों में लोगों को सतर्क रहने को कहा है।

यूके इंडिपेंडेंस पार्टी के पूर्व अध्यक्ष नाइजल फराज आम चुनाव लड़ेंगे, अपना फैसला पलटने का मन बनाया

लंदन ।

ब्रिटिश नेता और यूके इंडिपेंडेंस पार्टी (यूकेआईपी) के पूर्व प्रमुख नाइजल फराज ने 4 जुलाई का आम चुनाव नहीं लड़ने वाले अपने फैसले को पलटने का मन बना लिया है। उन्होंने इसकी घोषणा की। उन्होंने कहा कि वह अब ब्रेक्सिट सीट से चुनाव लड़ेंगे।

विवादास्पद ब्रिटिश राजनेता ने लंदन में एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने संवाददाताओं से कहा कि वह यूकेआईपी का नेतृत्व संभालेंगे और दक्षिण-पूर्व इंग्लैंड के एसेक्स में क्लैकटन की कट्टर समर्थक ब्रेक्सिट सीट से चुनाव लड़ेंगे। 60 वर्षीय फराज ने कहा कि उन्हें लगा कि चुनाव लड़ने से इन्कार करने के बाद वह अपने समर्थकों को निराश कर रहे हैं। इसलिए मैंने अपना इरादा बदल लिया। फराज ने कहा कि मैं एसेक्स के समुद्र तटीय शहर क्लैक्टन में अपनी उम्मीदवारी की घोषणा करूंगा। मैं उन लाखों लोगों से मुंह नहीं मोड़ सकता, जो मेरे बारे में कही जा रही भयानक बातों के बावजूद मेरा अनुसरण करते थे, मुझ पर विश्वास करते थे। कंजर्वेटिव पार्टी को परेशान करेगा फराज चुनाव मैदान में उतरना

बता दें कि नाइजल फराज का दोबारा चुनाव मैदान में उतरने का निर्णय ब्रिटेन के प्रधानमंत्री ऋषि सुनक के नेतृत्व वाली कंजर्वेटिव पार्टी को परेशान करेगा। बता दें कि कंजर्वेटिव पार्टी चुनाव से पहले किए गए सभी सर्वेक्षणों में भी पीछे चल रही है।

सुनक बोले- स्टार्मर या मैं दोनों में से एक प्रधानमंत्री होगा

वहीं, प्रधानमंत्री सुनक से पूछा गया कि एक उम्मीदवार के रूप में फराज का टोरी की संभावनाओं पर क्या प्रभाव पड़ सकता है। उन्होंने अपनी पार्टी के कट्टर समर्थकों को स्पष्ट संदेश देते हुए जवाब दिया। कहा कि दो लोगों में से एक प्रधानमंत्री होगा या तो श्रमिक नेता कीर स्टार्मर या मैं। किसी ऐसे व्यक्ति के लिए वोट जो कंजर्वेटिव उम्मीदवार नहीं है, वह सिर्फ कीर स्टारर को नंबर 10 पर रखने के लिए एक वोट है।

चीन की अंतरिक्ष में ऊंची छलांग

चांद के अंधेरे वाले हिस्से से मिट्टी लेकर धरती की ओर निकला चांग ई-6

बीजिंग ।

चीन का चंद्रमिशन चांग ई-6 का एसेंडर अब धरती पर वापस आ रहा है। जैसे ही एसेंडर पृथ्वी पर उतरेगा वैसे ही बीजिंग एक इतिहास रच लेगा। बता दें, एसेंडर मिट्टी और पत्थर का सैंपल लेकर धरती की ओर वापस आ रहा है। एसेंडर यानी वह यंत्र जो चांद की सतह से वापस उसकी कक्षा में आया है।अब वहां से सैंपल लेकर धरती की तरफ आ रहा है।

गौरतलब है, चीन की स्पेस एजेंसी ने कहा कि इस यान के पिछले महीने लॉन्च किया गया था। जो दो दिन पहले यानी दो जून को चांद के अंधेरे वाले हिस्से में उतरा था। चंद्रमिशन चांग ई-6 सफलतापूर्वक चांद के दक्षिणी ध्रुव पर उतरा था। जिस जगह चीन का चंद्रयान उतरा था, वह चांद का दूरस्थ इलाका है। इस मिशन के साथ ही चीन ने अंतरिक्ष क्षेत्र में एक और बड़ी छलांग लगाई है। चीन की अंतरिक्ष एजेंसी नेशनल स्पेस एडमिनिस्ट्रेशन के हवाले से मीडिया रिपोर्ट्स में बताया गया था कि चांग ई-6 चांद के दक्षिणी ध्रुव के एटकेन बेसिन क्रेटर पर उतरा। यह क्रेटर अभी तक का ज्ञात सबसे बड़ा क्रेटर है।

25 जून को आएगा वापस

अब एसेंडर मिट्टी और पत्थर का सैंपल लेकर धरती की ओर वापस आ रहा है। चीन की स्पेस एजेंसी ने कहा कि चांगई-6 से सैंपल लेकर निकला एसेंडर चीन के इनर मंगोलिया इलाके के रेगिस्तान में करीब 25 जून के आसपास लैंड करेगा। इस यान ने चांद पर जहां लैंड किया था, वहां पर तापमान माइनस में रहता है। दुनिया में यह काम पहली बार होगा, जब कोई देश चीन के अंधेरे वाले हिस्से से सैंपल लेकर धरती पर वापस आएगा।

कभी भी सूर्य की किरणें नहीं पड़ी

चीन के चांग ई 4 मिशन ने साल 2019 में पहली बार चांद की सतह पर लैंडिंग की थी। अब चांग ई 6 मिशन के जरिए चीन चांद की सतह से करीब दो किलो नमूने भी लेकर आएगा। चांग ई 6 के लैंडर में ड्रिल करने और फिर वहां से नमूने उठाने के लिए मैकेनिकल आर्म लगाई गई है। चीन का यह मिशन 53 दिन का है और इसे 3 मई को लॉन्च किया गया था। चीन का यह मिशन इस मायने में भी खास है क्योंकि इसने चांद के उस हिस्से पर लैंड किया है, जो हमेशा पृथ्वी से दूर रहा है और यहां पर कभी भी सूर्य की किरणें नहीं पड़ी हैं। ऐसे में इस क्षेत्र के नमूनों से वैज्ञानिक तौर पर अहम जानकारियां मिलने की उम्मीद है।

साल 2030 तक चांद पर मानव मिशन भेजेगा चीन

नमूनों के परीक्षण से इस बात का खुलासा हो सकता है कि चंद्रमा का निर्माण कैसे हुआ। चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग के नेतृत्व में चीन का अंतरिक्ष कार्यक्रम तेजी से आगे बढ़ा है और यह अमेरिका और रूस से मुकाबला करने की कोशिश कर रहा है। अमेरिका ने चेतावनी दी है कि चीन का अंतरिक्ष कार्यक्रम सैन्य उद्देश्यों के लिए हो सकता है। चीन ने साल 2030 तक चांद पर मानव मिशन भेजने का लक्ष्य तय किया है। अमेरिका भी चांद पर साल 2026 में फिर से मानव मिशन भेजने की योजना बना रहा है।